PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 18 16

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

मैथिली

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : एहिमे **पचहत्तरि (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक अछि । **सभ** प्रश्न अनिवार्य अछि ।

1. 'मिथिलाभाषा रामायण'मे हनुमान-सुरसा संवाद अछि :

(1) अरण्य काण्डमे (2) किष्किन्धा काण्डमे

(3) सुन्दर काण्डमे (4) लंका काण्डमे

2. "रे दुष्ट लागल क्षुधा फल तोड़ि खेलौं
केलैँ उपद्रव ततै तरु तोड़ि देलौं ।" – ई उक्ति थिक :

(1) बालिक (2) हनुमानक

(3) कालनेमिक (4) नलक

3. 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण'मे पुष्कर काण्ड अछि :

(1) आदिमे (2) मध्यमे

(3) अन्तमे (4) कतहु नहि

4. एकवीरक जन्म भेल अछि :

(1) ओइनिवार वंशमे (2) सूर्य वंशमे

(3) इक्ष्वाकु वंशमे (4) हैहय वंशमे

5. 'अम्बचरित' मे वर्णन अछि :

(1) राधाक (2) सीताक

(3) रुक्मिणीक (4) सत्यभामाक

6. 'विश्वक तिथिमे हो मखारम्भ'मे विश्वतिथि थिक :

(1) एकादशी (2) द्वादशी

(3) त्रयोदशी (4) चतुर्दशी

7. 'चाणक्य' महाकाव्यमे प्रधान रस अछि :

(1) शृंगार (2) वीर

(3) हास्य (4) करुण

8. कृष्ण-सुदामाक वार्तालाप वर्णित अछि :

(1) 'कृष्णजन्म'मे (2) 'कीचकवध'मे

(3) 'कृष्णचरित'मे (4) 'दत्तवती'मे

9. "क्यो कहइछ ई थिक दैवी उत्पात
बजइछ क्यो कारण किछु आने बात" – ई थिक:

(1) शिशुपालवधक प्रसंग (2) अभिमन्युवधक प्रसंग

(3) लाक्षागृहक प्रसंग (4) कीचकवधक प्रसंग

10. 'शकुन्तला' खण्डकाव्य प्रकाशित अछि :

(1) साहित्यिकीसँ (2) मैथिली अकादमीसँ

(3) साहित्य अकादेमीसँ (4) मैथिली मंदिरसँ

11. 'पतन' मे सर्गक संख्या अछि :

(1) तीन (2) चारि

(3) पाँच (4) छओ

12. "की चाही हे देव दयावर ! व्रतक दक्षिण दान ।" – ई निवेदन कएने छथि :

(1) दुर्वाशासँ (2) कृपाचार्यसँ

(3) द्रोणाचार्यसँ (4) विश्वामित्रसँ

13. "अछि सलाइमे आगि बरत की बिना रगड़ने" – ई कहने छथि :

(1) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' (2) सीताराम झा

(3) राघवाचार्य (4) आरसी प्रसाद सिंह

14. "हो सदिखन संसारक सुधार,
पतितौक बनथि क्यो कर्णधार" – ई पंक्ति थिक :

(1) 'पतित पीक'क (2) 'सरिता'क

(3) 'आत्मगीत'क (4) 'छुतहर'क

15. 'तरु' शीर्षक कविता संगृहीत अछि :

(1) 'अर्चना'मे (2) 'पयस्विनी'मे

(3) 'प्रतिपदा'मे (4) 'कथा-यूथिका'मे

16. 'यात्री'जी अन्तिम प्रणाम करैत छथि :

(1) गामकेँ (2) मिथिलाकेँ

(3) भारतवर्षकेँ (4) इष्ट देवताकेँ

17. "तरुक छाहमे बनि उदासिनी जनकनन्दिनी" – ई शीर्षक पंक्ति लेल गेल अछि :

(1) 'बाजि गेल रण उंक'सँ (2) 'शेफालिका'सँ

(3) 'ललित-स्मृति'सँ (4) 'मेघ पड़ै छै'सँ

18. "ठीक-ठीक दुपहरमे बूझि पड़इत छल ई संसार,
मुरही भूजक हेतु धिपौने हो बुढ़िया कंसार" – ई वर्णन अछि :

(1) चैतक (2) वैशाखक

(3) जेष्क (4) अषाढ़क

19. 'सूर्य गलि रहल अछि' लिखने छथि :

(1) दिलीप कुमार झा 'लूटन' (2) अरुणाभ सौरभ

(3) जीवकान्त (4) नारायण झा

20. 'की फुरैए-की-ने' लिखने छथि :

(1) कीर्ति नारायण मिश्र (2) भीमनाथ झा

(3) जय प्रकाश चौधरी 'जनक' (4) अमलेन्दु शेखर पाठक

21. 'दिग्विजय' नाटकक प्रणेता छथि :

(1) काशीनाथ मिश्र (2) गोविन्द झा

(3) ईशनाथ झा (4) सुधारकर झा 'शास्त्री'

22. 'प्रभावतीहरण'क सम्पादन कएलनि :

(1) बासुकी नाथ झा (2) कुलधारी सिंह

(3) नन्द नन्दन झा (4) लेखनाथ मिश्र

23. "अपनुक आनन आरसि हेरि,
चानक भरम काँपि कत बेरि" –
ई पंक्ति कहने छथि :

(1) नन्दीपति (2) रमापति

(3) उमापति (4) रत्नपाणि

24. नाट्य-शिल्पी छथि :

(1) सुभाषचन्द्र यादव (2) सुधांशु 'शेखर' चौधरी

(3) महेन्द्र नारायण राम (4) चन्द्रभानु सिंह

25. 'ओ घैल फोड़ै छै' एकांकी लिखने छथि :

(1) प्रबोध नारायण सिंह (2) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'

(3) गोपालजी झा 'गोपेश' (4) महेन्द्र मलंगिया

26. नायकक रूपमे सी.सी. मिश्राक चित्रण भेल अछि :

(1) 'पवित्रा'मे (2) 'कन्यादान'मे

(3) 'मन्त्रपुत्र'मे (4) 'आदिकथा'मे

27. सामाजिक दृष्टिएँ अस्वीकृत सम्बन्धक चर्चा भेल अछि :

(1) 'भामती'मे (2) 'भारती'मे

(3) 'पारो'मे (4) 'कादो आ कोयला'मे

28. जमींदारी प्रथा-उन्मूलनसँ उत्पन्न सामाजिक परिवर्तनक वर्णन अछि :

(1) 'चन्द्रग्रहण'मे (2) 'वैशाखी पूर्णिमा'मे

(3) 'पृथ्वीपुत्र'मे (4) 'विद्यापति'मे

29. प्राच्य एवं पाश्चात्य संस्कृतिक चित्रण भेल अछि :

(1) 'आन्दोलन'मे (2) 'दू पत्र'मे

(3) 'कुमार'मे (4) 'मिथिला दर्पण'मे

30. उपन्यासकार छथि :

(1) बुचरू पासवान (2) महेन्द्र नारायण कर्ण

(3) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' (4) गणपति मिश्र

31. 'ललका पाग' थिक :

(1) कथा (2) उपन्यास

(3) रेखाचित्र (4) निबन्ध

32. ‘मरीचिका’ प्रकाशित अछि :

(1) एक भागमे (2) दू भागमे

(3) तीन भागमे (4) चारि भागमे

33. प्रभास कुमार चौधरीक उपन्यास अछि :

(1) अरगनी (2) बाबी

(3) राजा पोखरिमे कतेक मछरी (4) पिता

34. ‘द्वादश निदान’ कथा लिखने छथि :

(1) नगेन्द्र कुमर (2) हरिनन्दन ठाकुर ‘सरोज’

(3) हरिमोहन झा (4) उमानाथ झा

35. ‘बालगोविन’ प्रसिद्ध कथा छनि :

(1) बालगोविन्द झा ‘व्यथित’क (2) ब्रजकिशोर वर्मा ‘मणिपद्म’क

(3) कुमार गंगानन्द सिंहक (4) गौरी मिश्रक

36. ‘मुक्ति’ कथा प्रभावित अछि :

(1) युंगसँ (2) मार्क्ससँ

(3) फ्रायडसँ (4) लाओत्सेसँ

37. ‘चन्द्रविन्दु’ अछि :

(1) उपन्यास (2) कथा

(3) खण्डकाव्य (4) चम्पूकाव्य

38. ‘अन्तहीन आकाश’ कथासंग्रह छनि :

(1) खुशीलाल झाक (2) मदनेश्वर मिश्रक

(3) राजाराम प्रसादक (4) रमानन्द रेणुक

39. विशुद्ध ग्रामीण ठेठ शब्दक ठाठ कथामे अछि :

(1) ‘घरदेखिया’मे (2) ‘कालरेत’मे

(3) ‘धरतीमाता’मे (4) ‘समाधान’मे

40. ‘दिदवल’क नामकरण भेल अछि :

(1) पुत्रक सम्बोधनक लेल (2) पुत्रीक सम्बोधनक लेल

(3) पत्नीक सम्बोधनक लेल (4) अनुजक सम्बोधनक लेल

41. ‘रमानाथ झा ग्रंथावली’क सम्पादन कएने छथि :

(1) अशोक (2) मोहन भारद्वाज

(3) अग्निपुष्प (4) विनोद कुमार झा

42. ‘अनुसन्धान एवं आलोचना’ थिकनि :

(1) परमेश्वर मिश्रक (2) नवीनचन्द्र मिश्रक

(3) सुधांशु ‘शेखर’ चौधरीक (4) दिनेश कुमार झाक

43. मैथिली लोकोक्तिक संग्रह कएने छथि :

(1) अशोक अविचल (2) प्रेमशंकर सिंह

(3) केष्कर ठाकुर (4) अशोक कुमार मेहता

44. साहित्य अकादेमीसँ अनुवाद पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता छथि :

(1) मायानाथ झा (2) आनन्द कुमार झा

(3) देवेन्द्र झा (4) मनमोहन झा

45. ‘आरम्भ’क सम्पादन कएने छथि :

(1) राजमोहन झा (2) धीरेन्द्रनाथ मिश्र

(3) मनीष कुमार झा (4) राम नारायण सिंह

46. लिली रेक कृतिक संकलन कएलनि अछि :

(1) किशोर नाथ झा (2) शोभाकान्त झा

(3) रवीन्द्र कुमार चौधरी (4) रमानन्द झा ‘रमण’

47. ज्योतिरीश्वरक समकालीन छलाह :

(1) कीर्तिसिंह (2) देवसिंह

(3) हरिसिंहदेव (4) शिवसिंह

48. "फल्लोँ चलली ! नीक-अधलाह, धनीक-ग़रीब लोक होइते अयलैए" – ई पंक्ति अछि :

(1) 'कोन महल नाम राखबै एकर'मे (2) 'मधुरमनि'मे

(3) 'चन्द्रग्रहण'मे (4) 'इहो चारि खून किएक'मे

49. सुभद्र झा अपन कृतिमे सम्बोधित कएने छथि :

(1) अनुजकेँ (2) भागिनकेँ

(3) पौत्रकेँ (4) नातिकेँ

50. अंगरेजीमे मैथिलीक इतिहास लिखलनि :

(1) जयदेव मिश्र (2) दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(3) जयकान्त मिश्र (4) कृष्णकान्त मिश्र

51. 'शारान्तिधा'क रचनाकार छथि :

(1) राधाकृष्ण झा 'बहेड़' (2) राधाकृष्ण चौधरी

(3) धीरेन्द्र 'धीर' (4) महेन्द्र झा

52. उपन्यास विषयक आलोचनात्मक ग्रंथ लिखने छथि :

(1) कपिलेश्वर यादव (2) गिरिजा किशोर झा

(3) अमरेश पाठक (4) भुवनेश्वर गुरमैता

53. 'मिथिला मोद'क प्रकाशन भेल अछि :

(1) कोलकातासँ (2) अजमेरसँ

(3) जयपुरसँ (4) काशीसँ

54. 'एकावली परिणय' क्रमश: प्रकाशित भेल :

(1) 'अभियान'मे (2) 'मैथिली साहित्य पत्र'मे

(3) 'अभिव्यंजना'मे (4) 'श्री मैथिली'मे

55. 'वैदेही'क प्रथम प्रकाशन भेल :

(1) सीतामढ़ीसँ (2) दरभँगासँ

(3) सुपौलसँ (4) पूर्णियासँ

56. 'उचिती' गाओल जाइत अछि :

(1) दाहा घुमएबाक काल (2) सामा खेलएबाक काल

(3) समधिक सौजनक काल (4) जाही-जूही लोढ़बाक काल

57. 'कारिख पजियार'क संकलनकर्त्ता छथि :

(1) अमोल राय (2) रामसेवक सिंह

(3) फूलो पासवान (4) महेन्द्र नारायण राम

58. 'डोमकच' अछि :

(1) लोकगीत (2) लोकनाट्य

(3) लोकगाथा (4) लोककथा

59. राजा पुरादित्यक आज्ञासँ लिखल गेल :

(1) लिखनावली (2) भूपरिक्रमा

(3) विभागसार (4) पुरुष परीक्षा

60. विद्यापतिकेँ काव्यगुरु मानने छथि :

(1) चण्डीदास (2) मनबोध

(3) गोविन्ददास (4) ज्ञानदास

61. विद्यापति छलाह :

(1) इक्ष्वाकु वंशक (2) कर्णाह वंशक

(3) खण्डवला वंशक (4) ओइनिवार वंशक

62. 'खेलनकवि'क नामसँ विभूषित छथि :

(1) अमियकर (2) विद्यापति

(3) पक्षधर मिश्र (4) चक्रपाणि

63. "जनम अवधि हम रूप निहारल" – एहिमे वर्णन अछि :

(1) पूर्वरागक (2) अभिसारक

(3) प्रीतिक (4) मानक

64. विद्यापतिक समवयस्क छलाह :

(1) कीर्तिसिंह (2) वीरसिंह

(3) देवसिंह (4) शिवसिंह

65. विद्यापतिक समाधि-भूमि छनि :

(1) भवानीपुरमे (2) वाजितपुरमे

(3) बिस्फीमे (4) सौराठमे

66. 'पुरुष-परीक्षा'क पहिल अनुवादक छथि :

(1) ग्रियर्सन (2) चन्दा झा

(3) रमानाथ झा (4) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

67. चन्दा झाक कृति थिकनि :

(1) सावित्री-सत्यवान (2) जानकी परिणय

(3) सीता स्वयंवर (4) लक्ष्मीश्वर विलास

68. रामायणक रचना भेल :

(1) लक्ष्मीश्वर सिंहक आश्रयमे (2) रमेश्वर सिंहक आश्रयमे

(3) कामेश्वर सिंहक आश्रयमे (4) गंगापति सिंहक आश्रयमे

69. "चन्द्र चकोर अहींक सदा हम शोक समुद्र समाइलि छी" – ई व्यथा व्यक्त कएने छथि :

(1) कौशल्या (2) उर्मिला

(3) सीता (4) मन्दोदरी

70. 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण'मे चरित्रक प्रधानता अछि :

(1) रमेश्वरक (2) हनुमानक

(3) रामक (4) सीताक

निर्देश : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक (प्रश्न संख्या **71** सँ **75**) उत्तरक हेतु देल गेल बहुविकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

मिथिलाक प्राकृतिक शोभाक वर्णन करबामे के समर्थ भड सकै छथि ? उत्तरमे पाकल केशराशिसँ युक्त अतिबूढ़ चलबा-फिरबामे सर्वथा असमर्थ महादेवक ससुर हिमालयक श्वेत शिखरराशि सूर्यक किरणकेँ रजतगिरि जकाँ चमकैत विराजमान अछि । दक्षिणमे पतितपावनी भगिरथि कुलोधारिणी द्राविध पापहरा त्रिपथगा गंगा कलकलनाद करैत अपन लहलह जिह्वाधारा आततायीसँ परस्वहारी मिथ्या-भाषी फूसिअभिमानी कलंकीलोकनिक संहार करबाक हेतु उच्छाल बेगेँ धारासँ पूर्वाभिमुखी भड दौड़ि रहल छथि । हिमगिरिकाँ प्रणाम कड दिग्विजय करबाक हेतु जतेक नदी विदेशयात्रा करैत छथि सभ मिथिलाक 'तीरभुक्ति' ओ एक नाम धयल गेल अछि । हिमगिरिएक आशीर्वादेँ एहि देशमे समयपर सुवृष्टिओ होइते अछि । देवमातृक ओ नदीमातृक मिथिलाक भूमि पूर्ण उर्वर अछि ओ सतत शस्यश्यामला देखि पड़ैछ. विशेष, कड अगहन-पूसमे । मिथिलाक भूमि भारतवर्ष केर स्वर्णभूमि कहल जाइछ । एहिठाम सर्भ अन्न ओ बारहो बिरही. नाना प्रकारक घास-पात. फल-फूल, कन्द-मूल, गाछओ ब्रिच्छ उत्पन्न होइछ । अतएव एहि देशक लोक साधारण रूपेँ आलस्यप्रिय, गुप्तचर काजनिपुण, ज्ञानबृद्ध, अभिमानी तथा दयाशील दोइछ । एहि ठामक आम संसारमे प्रसिद्ध अछि । सैकड़ो प्रकारक विभिन्न रसास्वादन देनिहार सरही तथा कलमी आम प्रचुर मात्रामे प्रतिवर्ष प्राप्त होइछ । एहीसँ चटनी, अचार, कुच्चा, झक्का, आमील. अमोट आदि वर्षोपभोग्य वस्तु बना गृहस्थ सुखेँ दिन कटैत छथि । आमक गाछी ओ कलम सभक विन्यास देखबाक योग्य अछि । आमक मासमे गाछीक बगबारी जे कथने छथि सैह ओकर आनन्दानुभव कड सकैत छथि । जेठ-आषाढ़क झहरैत वर्षामे बूलि-बूलि आम बीछि-बीछि खयबामे की आनन्द होइछ ? क्यो-क्यो रसगर बगबार गाछीमे हिडुला लगा मचकी पर बारहमासा गबैत वर्षा ऋतुक आनन्दक अनुभव अपने करैछ तथा अनेकोकेँ ओकर भागी बनबैछ । ई दृश्य जेहन मिथिलाक शस्यश्यामला भूमिमे पाँति लागल गहन गाछीक मध्यमे नवीन घनस्याम मेघसँ चतुर्दिक्षु अंधकारिता, झिंगुरक झंकार, बेंगक कोंकोंनाद मेघक समय-समय पर गर्जनयुक्त कत बिजली छयक भीषणतासँ भयावह बनछायामे देखडमे अबैछ तेहन कतड भेटत ? प्रकृतिक ई सभ दृश्य अगहन-पूसक मासमे ओहि स्वरूपमे होइछ जेना प्रसवन्मुखी कोनो नायिका स्थिर भड उचित समयक प्रतीक्षामे गम्भीर भाव धारण कथने बैसलि होथि ।

71. गंगा दौड़ि रहल छथि :
(1) उत्तराभिमुखी (2) दक्षिणाभिमुखी
(3) पश्चिमाभिमुखी (4) पूर्वाभिमुखी

72. मिथिलामे सुवृष्टि होइत अछि :
(1) महादेवक आशीर्वादसँ (2) हिमगिरिक आशीर्वादसँ
(3) प्रकृतिक आशीर्वादसँ (4) समुद्रक आशीर्वादसँ

73. मिथिलाक भूमि शस्यश्यामला देखि पड़ैछ :
(1) माघ-फागुनमे (2) जेठ-आषाढ़मे
(3) अगहन-पूसमे (4) चैत वैशाखमे

74. भारत वर्ष केर स्वर्णभूमि कहल जाइछ :
(1) व्रज-भूमिकेँ (2) मिथिला भूमिकेँ
(3) बंगभूमिकेँ (4) उत्कल भूमिकेँ

75. बगबार गाछीमे मचकी पर चढ़ि गबैत अछि :
(1) चौमासा (2) बटगबनी
(3) फागु (4) बारहमासा

Space For Rough Work